

प्रिय एलोन मस्क,

मुझे पूरी उम्मीद है कि आपसे संपर्क करने का यह दूसरा प्रयास सफल होगा।

सबसे पहले, मैं आपको आपके 54वें जन्मदिन पर हार्दिक बधाई देता हूँ। जीवन के पथ पर खुशी, ज्ञान और सफलता आपके साथ बनी रहे, यही कामना है।

मैं, "क्रिसकोडो", जो आपको यहाँ लिख रहा हूँ, बिल्कुल सच्चा हूँ। सच्चे, अनंत ईश्वर द्वारा 39 वर्षों के लिए मानवता के लिए नई सहस्राब्दी का एक महत्वपूर्ण संदेश लाने के लिए चुना गया हूँ।

(वीके में लंबे समय से मौजूद सोशल मीडिया प्रोफाइल (vk.com/id348277384), 2003 से अपनी वेबसाइट (www.weltrevolution.de), और जर्मन स्टॉक एक्सचेंज से एक प्रमाणपत्र संलग्न है।)

नई सहस्राब्दी के लिए ईश्वर का मुख्य संदेश यह है:

युद्ध-रहित एक नया युग तभी संभव है जब ईश्वर और मानवता के बीच सामंजस्य स्थापित हो। जब यह स्वीकार किया जाए कि पृथ्वी पर एक दिव्य क्षेत्र है, जहाँ ईश्वर का शासन है, और एक मानवीय क्षेत्र है, जहाँ मनुष्य शासन करते हैं।

अनंत ईश्वर ने आपको, एलोन, इस युगांतरकारी परिवर्तन में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में पहचाना है और मुझे, क्रिसकोडो को, आपसे जुड़ने के लिए नियुक्त किया है। क्योंकि आपने मानवीय क्षेत्र में महान विकास किया है, लेकिन बुद्धिमानी से ईश्वरीय क्षेत्र, सृष्टि, जीवन और प्रकृति से अपनी दूरी बनाए रखी है।

मेरा नाम क्रिसकोडो है, जो क्रिश्चियन और कोडो के विलय से बना है। यह 12 अक्टूबर, 1986 को हैली धूमकेतु के गुजरने के बाद हुआ था। वास्तविक, अनंत ईश्वर ने क्रिश्चियन नाम के एक सामान्य व्यक्ति को हैली द्वारा मानवता तक पहुँचाए गए संदेश को पहुँचाने के लिए चुना था।

कुछ सांसारिक अभिजात वर्ग ने सब कुछ देखा था। मुझे एक आरामदायक कंप्यूटर प्रशिक्षण (VMS) प्रदान किया गया, और 1990 और 2000 के दशक में, वित्तीय

उद्योग (पहले ABN AMRO, फिर DEUTSCHE BÖRSE) ने मुझे एक सिस्टम मैनेजर के रूप में नियुक्त किया। उन्होंने क्रिसकोडो की यथासंभव रक्षा की।

और इसने मुझे ईश्वर के संदेश (www.weltrevolution.de) के तत्वों को लिखने में सक्षम और सशक्त भी बनाया। मेरे लिए भावनात्मक प्रेरणा 2003 का भयावह इराक युद्ध था।

इन घृणित मानवीय युद्धों के विरुद्ध पूरी स्पष्टता के साथ।

क्योंकि इस नई सहस्राब्दी में, तकनीकी प्रगति और औसत से अधिक लाभ दर के लिए युद्ध अब आवश्यक नहीं हैं।

ईश्वर ने मानवजाति के विस्तार की चाहत के लिए कई शानदार उदाहरण प्रदान किए हैं, जैसे, ग्लोबल वार्मिंग के कारण, एक नया बड़ा द्वीप और एक पूरा महाद्वीप (ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका)। इसके अलावा, मानवता अब इस सहस्राब्दी में पड़ोसी ग्रहों मंगल और शुक्र पर उपनिवेश स्थापित करने में तकनीकी रूप से सक्षम है।

1986 में इस दीक्षा के कारण, मैं वर्षों से यह समझने में सक्षम रहा हूँ कि ईश्वर वास्तव में कौन हैं और सबसे बढ़कर, ईश्वर और मानवता कैसे पुनः मिल सकते हैं और स्वर्गीय सद्भाव की दुनिया का निर्माण कर सकते हैं।

मानवता और ईश्वर के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए सभी महत्वपूर्ण प्रश्नों के ठोस उत्तर और सुगम मार्ग मौजूद हैं।

मैं इसे सच्ची विश्व क्रांति कहता हूँ।

ईश्वर और मानवता के बीच सामंजस्य तभी संभव है जब लोग यह समझें कि पृथ्वी पर एक दिव्य और एक मानवीय क्षेत्र हैं: दिव्य क्षेत्र वह सब कुछ है जिसका जीवन से संबंध है। दिव्य क्षेत्र में, मनुष्यों को विदेशी तकनीक से छेड़छाड़ करने का कोई अधिकार नहीं है—वहाँ न तो क्लोरीन रसायन हैं और न ही लवण उर्वरक। इसलिए, दुनिया भर में रसायन-मुक्त कृषि आवश्यक है, जो मिट्टी, पौधों, जानवरों और लोगों के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाती है।

दूसरी ओर, मानवीय क्षेत्र में वह सब कुछ शामिल है जिसमें ईश्वर, जीवन, की रुचि नहीं है: रेत, एल्युमीनियम, पेट्रोलियम, सभी धातुएँ, कंक्रीट, और भी बहुत कुछ। यह सब केवल मनुष्यों के लिए है, जो ईश्वर, जीवन और प्रकृति के मार्ग में बाधा डाले बिना वहाँ विकास कर सकते हैं।

प्रिय एलोन, चूँकि आपने हाल के वर्षों में इतने सारे सही निर्णय लिए हैं, इसलिए भाग्य के स्वामी ईश्वर ने आपको इतनी बड़ी व्यावसायिक सफलता प्रदान की है। और इसीलिए ईश्वर अब चाहते हैं कि हम मानवता के भविष्य से संबंधित सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक घनिष्ठ संबंध स्थापित करें। आप, मानवता के प्रतिनिधि के रूप में, और मैं, क्रिसकोडो, सच्चे, अनंत ईश्वर के प्रतिनिधि के रूप में। हम मिल सकते हैं; न तो आपकी अपार संपत्ति मुझे डराती है, न ही ईश्वर के प्रतिनिधि के रूप में मेरी पहचान आपको डरानी चाहिए।

प्रिय एलोन, मैं, या यूँ कहें कि ईश्वर, इससे अधिक कुछ नहीं चाहता कि आप इस पाठ को ध्यान से पढ़ें और मुझे पुष्टि करें कि आपने इसे पढ़ लिया है। यदि आप चाहें, तो कृपया मुझे अपना व्यक्तिगत ईमेल पता भेजें ताकि हम बातचीत शुरू कर सकें। और बाद में, अगर आपका समय हो, तो मैं आपसे वीडियो चैट के ज़रिए व्यक्तिगत रूप से मिलकर अपनी चिंता के मुख्य मुद्दों पर चर्चा करना चाहूँगा। केन्या में विक्टोरिया झील के किनारे किसुमु की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ। क्रिसकोडो

28 जून, 2025 को लिखा गयाs